कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–024

संस्कृत साहित्य में विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-024 : संस्कृत : अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल एक ही भाषा में हों। दिये गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 4×15=60

1. प्राचीन भारत में नौका निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. कृषि सम्बन्धी रोगों के लक्षण, कारण एवं उपचारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
3. संरक्षण का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए जल संरक्षण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की उपयोगिता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. संस्कृत साहित्य में परिवार मनोविज्ञान से सम्बन्धित सन्दर्भों की विवेचना कीजिए।
6. मनोविज्ञान क्या है ? इसके स्वरूप एवं परिभाषा का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

7. रामायण एवं महाभारत में वर्णित पर्यावरण विज्ञान को स्पष्ट कीजिए।
8. शब्दकेन्द्राभिमुख यन्त्र का वर्णन कीजिए।
9. वर्षण निर्माण कला का विस्तृत वर्णन कीजिए।
10. कृषि प्रबंध का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
11. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित वायु संरक्षण का वर्णन कीजिए।

12. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित चिकित्सा मनोविज्ञान का वर्णन कीजिए।

13. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित परिवार मनोविज्ञान का वर्णन कीजिए।

14. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित अभियांत्रिकी के आधुनिक परिप्रेक्ष्य का वर्णन कीजिए।

15. वर्षा की परिस्थितियाँ तथा प्रकारों का वर्णन कीजिए।

16. सिंचाई एवं भूमिगत जल को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×